तापमान
अधिकतम 23 .5 डिग्री
न्यूनतम 6 .0 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार 2 फरवरी 2026

13 किशोरी व वैश्य महिला कॉलेज की टीमें फाइनल ...

14 शहर की सड़कों पर बेसहारा गोवंश बन रहा ...

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन।
- पंडित नेकीराम कॉलेज में फुटबाल प्रतियोगिता।
- मदवि में नेटबॉल प्रतियोगिता।

कबड्डी चैंपियन लीग में रोहतक रॉयल्स ने 6 लाख 40 हजार में खरीदा था

पढ़ाई से बचने के लिए कबड्डी खेलना शुरू किया आज प्रदेश का नाम रोशन कर रहा म्हारा छोरा अंकित

खेल-खेल में शुरू हुआ सफर जल्द ही जीवन का सबसे बड़ा जुनून बन गया

रोहित डागर ▶▶| रोहतक

2023 खेलों इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता

अंकित की कबड्डी खेल की शुरुआत किसी बड़े सपने के साथ नहीं हुई थी। साल 2020 की बात है, जब पढ़ाई के बोझ से बचने के लिए अंकित ने एक अनोखा रास्ता निकाला। स्कूल में अन्य बच्चों को कबड्डी खेलते देख अंकित के मन में विचार आया कि अगर वह खेल में शामिल हो जाएं, तो शायद उन्हें पढ़ाई से थोड़ी राहत मिल जाएगी। लेकिन किसे पता था कि खेल-खेल में शुरू हुआ यह सफर जल्द ही उनके जीवन का सबसे बड़ा जुनून बन जाएगा। अंकित ने बताया कि मैंने कबड्डी सिर्फ इसलिए शुरू की थी ताकि पढ़ाई न करनी पड़े, लेकिन धीरे-धीरे इस खेल की मिट्टी से ऐसा लगाव हुआ कि फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। जैसे-जैसे कबड्डी में रुचि बढ़ी, अंकित ने इसे पेशेवर तरीके से सीखने का निर्णय लिया। बेहतर प्रशिक्षण और अभ्यास के लिए उन्होंने रोहतक का रुख किया। एक छोटे से गांव से निकलकर शहर में खुद को स्थापित करना अंकित के लिए आसान नहीं था। घर की आर्थिक स्थिति पहले से ही चुनौतीपूर्ण थी, पिता विजय एक साधारण किसान हैं और मां मुकेश गृहिणी हैं। रोहतक में अंकित को न केवल खेल की बारीकियों से जूझना पड़ा, बल्कि असल जिंदगी की चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने बताया कि घर से बाहर रहना एक गरीब परिवार के बच्चे के लिए बहुत मुश्किल होता है। मुझे खुद खाना बनाना पड़ता था और हर छोटी चीज के लिए संघर्ष करना पड़ता था। अंकित जिले के गांव पाकस्मा का निवासी है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में कबड्डी चैंपियन लीग में रोहतक टीम की ओर से खेल रहा हूं। रोहतक रॉयल्स ने 6 लाख 40 हजार रुपये में खरीदा था।

जीत की राशि से भरी अपनी डाइट

एक एथलीट के लिए सबसे महत्वपूर्ण उसकी डाइट (खुराक) होती है, लेकिन अंकित के पास इसके लिए अलग से पैसे नहीं थे। उन्होंने हार मानने के बजाय मैदान पर अपनी मेहनत दोगुनी कर दी। अंकित ने बताया कि वे अलग-अलग प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेते थे और वहां ईनामी राशि के रूप में जो पैसे मिलते थे, उन्हीं पैसों से वे अपने लिए फल, दूध और पौष्टिक आहार जुटाते थे।

ये रहीं उपलब्धियां

2022 जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। 2023 खेलों इंडिया यूथ गेम्स में स्वर्ण पदक जीता। 2023 जूनियर फेडरेशन कप में स्वर्ण पदक जीता। 2023 में जूनियर नेशनल में कांस्य पदक जीता। 2024 में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। 2025 में जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के कैंपस के भूमि पूजन में आए थे डॉ. शर्मा

पहरावर में मंत्री के कार्यक्रम में हंगामा, बुलानी पड़ी पुलिस

अरविंद ने दोनों पक्षों को शांत कराकर सुलह करवाई

पहरावर के पूर्व सरपंच व पार्षद प्रवीण कौशिक और भालौठ निवासी अत्री के बीच तीखी बहस

कैबिनेट मंत्री के सामने हाई वोल्टेज ड्रामा स्थिति बिगड़ता देख बीच-बचाव किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एक कार्यक्रम के दौरान रविवार को कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा के सामने मंच पर ही दो गुट भिड़ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर धक्का-मुक्की हुई। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसी तरह दोनों को शांत करवाया। बता दें कि कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैंपस के भूमि पूजन समारोह में आए थे, तभी एक पूर्व सरपंच और एक व्यक्ति के बीच बैठने को लेकर बहसबाजी शुरू हो गई। बहस धीरे-धीरे हाथापाई में बदल गई। गांव पहरावर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे गांव के पूर्व सरपंच व वार्ड 20 से पार्षद प्रवीण कौशिक और गांव भालौठ निवासी मोनू अत्री के बीच बहस हो गई। प्रवीण ने मोनू से नीचे बैठ जाने को कहा था, कि तभी मोनू ने अपनी प्रतिष्ठा का मुद्दा बना लिया और देखते ही देखते बहस हाथापाई में बदल गई।

रोहतक। पहरावर में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता आपस में झगड़ते हुए। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के कैंपस में हवन यज्ञ में आहुति डालते सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा।

मोनू अत्री बोले- झगड़ा नहीं हुआ

मोनू अत्री ने कहा कि मेरा किसी के साथ कोई झगड़ा नहीं हुआ। हाथापाई जैसी कोई बात नहीं हुई। कुछ लोगों ने गलतफहमी के चलते वीडियो वायरल कर दी, जिसमें भीड़ होने पर लोगों को बैठाने के लिए समझाया जा रहा है।

पार्षद बोले-वीडियो गलत तरीके से पेश किया

वार्ड 20 से पार्षद प्रवीण कौशिक ने कहा कि कार्यक्रम में भीड़ अधिक थी और लोग मंत्री से मिलने के लिए आगे जा रहे थे तो कमांडो ने रोक दिया था। वहां कोई झगड़ा नहीं हुआ। जो वीडियो वायरल हुआ है, वह गलत तरीके से पेश किया गया है।

गौड़ शिक्षण संस्थाएं को युवा राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाएंगी

सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि देश की बड़ी शिक्षण संस्थाओं में से एक गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा की शिक्षण संस्थाएं हमारी युवा पीढ़ी को आगे बढ़ाएगी। मंत्री ने गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तहत भगवान परशुराम कैंपस 3 पहरावर पहुंचे तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के भवन निर्माण के कार्य को नींव की ईंट रखी और यज्ञ में आहुति डाली।

श्रमिक सरकारी योजनाओं का लाभ लें : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने औद्योगिक एवं वाणिज्यिक संस्थानों में कार्यरत श्रमिकों से हरियाणा सरकार द्वारा चलाई जा रही श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि श्रम विभाग के माध्यम से श्रमिकों एवं उनके परिवारजनों के सामाजिक, शैक्षणिक, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। इन योजनाओं के अंतर्गत श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, छात्रवृत्ति, विवाह, प्रसूति सहायता, साइकिल, सिलाई मशीन, श्रवण यंत्र, ट्राई-साइकिल, कृत्रिम अंग, दुर्घटना सहायता सहित अनेक प्रकार की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। श्रमिकों के बच्चों के लिए स्कूल की वर्दी, किताबें व कॉपियां खरीदने हेतु 3 हजार से 4 हजार रुपये, छात्रवृत्ति योजना के तहत 10 हजार से 21 हजार रुपये, कन्यादान योजना के अंतर्गत 51 हजार रुपये, शगुन योजना में 21 हजार रुपये सहायता दी जाती है।

आईएसएसीओएन कॉन्फ्रेंस में बोले डॉ. सिंघल

एनेस्थीसिया की नई तकनीकों से अब सुरक्षित होगी सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय आईएसएसीओएन कॉन्फ्रेंस का रविवार को भव्य समापन हो हुआ। समापन समारोह में विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. एसके सिंघल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विभिन्न शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सम्मेलन के दौरान न्यूरोसर्जरी और एनेस्थीसिया के क्षेत्र में हो रही नवीनतम प्रगति पर गहन चर्चा की गई। डॉ. एस. के. सिंघल ने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलनों से संस्थान के चिकित्सकों का ज्ञान बढ़ता है, जिसका सीधा लाभ मरीजों को मिलता है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों और चिकित्सकों द्वारा प्रस्तुत किए गए शोध पत्र अत्यंत सराहनीय रहे। सम्मेलन के दौरान डॉ. एसके सिंघल को सर्वसम्मति से नॉर्थ जोन एसोसिएशन का अध्यक्ष चुना गया, जबकि डॉ. सुशीला तक्षक को सेक्रेटरी नियुक्त किया गया।

रोहतक। आईएसएसीओएन कॉन्फ्रेंस के समापन पर विद्यार्थियों और चिकित्सकों के साथ मुख्यअतिथि विश्वविद्यालय के निदेशक डॉ. एसके सिंघल।

चुनौतियों पर हुई चर्चा

डॉ. कीर्ति खेत्रपाल ने बताया कि पेडियाट्रिक व ऑब्सटेट्रिक एनेस्थीसिया पर भी विशेष सत्र आयोजित किए गए। पेडियाट्रिक सत्र में बच्चों में एनेस्थीसिया की चुनौतियों पर चर्चा हुई, जबकि ऑब्सटेट्रिक सत्र में लेबर एनाल्जेसिया में नवीनतम प्रगति पर प्रकाश डाला गया। दोपहर के पैनल डिस्कशन में गर्भावस्था से जुड़ी जटिलताओं और हाइपरटेंसिव विकारों के प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए।

World Cancer Day
IndianOil
Presents
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
"बाइक रैली"
(कैंसर बचाव जागरूकता एवं रोकथाम के लिए)

दिनांक : 04 फरवरी 2026
समय: सुबह 10 बजे

बाइक रैली रूट
इंडस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक से शुरू होकर
पावर हाउस चौक, अशोका चौक, सोनीपत स्टैण्ड, शीला बाई-पास चौक,
दिल्ली बाई-पास चौक होते हुए हरिभूमि सिटी ऑफिस, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने,
दिल्ली रोड, रोहतक पर सम्पन्न होगी।

नोट: बाइक रैली में भाग लेने वाले सभी बाइक/स्कूटर चालक अपने साथ वैध ड्राईविंग लाईसेंस व हेलमेट अवश्य लेकर आएं।

Associate Sponsor | Venue Partner | Media Partner
वैदिकन THE GURUKUL
Indus Public School SCHOOL OF THE MILLENNIUM Rohtak
TELEVISION PARTNER जनता TV आपकी ताकत

रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें: M. 9996959400, 9996985800

खबर संक्षेप

युवक नशीले पदार्थ के साथ गिरफ्तार

रोहतक। एएनसी स्टाफ की टीम ने एक युवक को नशीले पदार्थ सहित गिरफ्तार किया। आरोपी से 150 ग्राम चरस बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई की गई। एएनसी स्टाफ पीएसआई मनोज ने बताया कि एएसआई राजेश के नेतृत्व मे एएनसी स्टाफ की टीम शहर एरिया में गश्त में मौजूद थी। गौड कॉलेज के सामने से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान आकाश निवासी पाडा मौहल्ला के रुप में हुई।

एआई आधारित बीमारियों की त्वरित पहचान तकनीक पर पेटेंट मिला

छाती के एक्स-रे चित्रों के माध्यम से बीमारियों की पहचान करने की नवोन्मेषी विधि की विकसित

एमडीयू शोधकर्ताओं को मिली बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय शोध एवं नवाचार के क्षेत्र में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने एमडीयू के कंप्यूटर साइंस एवं एप्लीकेशंस विभाग के शोध दल को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक अत्याधुनिक स्वास्थ्य तकनीक के लिए पेटेंट प्रदान किया है। यह पेटेंट शोधार्थी छाया गुप्ता, प्रो. नसीब सिंह गिल एवं प्रो. प्रीति गुलिया को छाती के एक्स-रे चित्रों के माध्यम से कोविड-19 जैसी बीमारियों की पहचान करने की नवोन्मेषी विधि विकसित करने के लिए दिया गया है। यह पेटेंट प्राप्त तकनीक एआई आधारित एल्गोरिद्म के माध्यम से छाती के एक्स-रे चित्रों का विश्लेषण कर कोविड-19, निमोनिया और अन्य श्वसन संक्रमणों की तेज, सटीक और विश्वसनीय पहचान करती है। जहां पारंपरिक आरटी-पीसीआर जांच में कई घंटे या कभी-कभी दिन लग जाते हैं, वहीं यह प्रणाली कुछ ही मिनटों में परिणाम उपलब्ध करा सकती है, जिससे समय पर उपचार संभव हो सकेगा। शोधकर्ताओं द्वारा विकसित यह प्रणाली एक उपयोगकर्ता-अनुकूल वेब एप्लीकेशन के रूप में कार्य करती है, जो पहले से प्रशिक्षित कंप्यूटर मॉडल का उपयोग करती है।

कितने के नाम काटे, नहीं पता, अधिकारी बोले-हेड ऑफिस में होती है सूची

परिवार पहचान पत्र में त्रुटि पर रुकी पेंशन, 70-80 लोग रोज पहुंच रहे हैं जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय

अधिकारियों ने कहा परिवार-पहचान पत्र में त्रुटि ठीक होने पर दोबारा मिलेगी पेंशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रदेश सरकार द्वारा फैमिली आईडी को आय का मुख्य आधार बनाकर पेंशन योजनाओं में कटौती की जा रही है। फैमिली आईडी में पति-पत्नी की संयुक्त वार्षिक आय 3 लाख रुपए से अधिक दर्ज होते ही बुढ़ापा, विधवा, दिव्यांग सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन स्वतः बंद की जा रही है। जिले में कितने लोगों की पेंशन बंद हो चुकी है। इसकी जानकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय को नहीं है। लेकिन कार्यालय में प्रतिदिन 70-80 व्यक्ति ऐसे पहुंच रहे हैं, जो शिकायत करते हैं कि उसे अबकी बार पेंशन नहीं मिली। पेंशन बंद होने से सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों पर पड़ा है। प्रभावितों का कहना है कि फैमिली आईडी में दिखाई जा रही आय वास्तविक स्थिति को नहीं दर्शाती। ध्यान रहे कि जिले में 85 हजार लोग वृद्धा सम्मान पेंशन, विधवा 35 हजार, लाडली 10 हजार,विधवा के बच्चों की 8-9 हजार समेत करीब 1.50 लाख व्यक्ति इस समय विभिन्न प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन ले रहे हैं।

दर्ज आय की निष्पक्ष जांच हो

बुजुर्गों का कहना है कि आय सत्यापन का कोई ठोस और पारदर्शी आधार नहीं है, फिर भी पेंशन पर रोकी जा रही है। फैमिली आईडी में आय सत्यापन न होने के कारण भी सामाजिक पेंशन रोकी जा रही है। सालभर कड़ी मेहनत के बाद जब ये खर्चे काटे जाते हैं, तो किसान को दिहाड़ी के बराबर भी शुद्ध आमदनी नहीं बचती। सरकार से मांग की है कि फैमिली आईडी में दर्ज आय की निष्पक्ष जांच की जाए। साथ ही आय निर्धारण की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाकर वास्तविक जरूरतमंदों की पेंशन तुरंत बहाल की जाए।

ऐसे शुरू होगी दोबारा

हरियाणा में बंद हो चुकी सामाजिक सुरक्षा पेंशन को दोबारा शुरू कराने के लिए आपको अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर, या जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय में आवेदन करना होगा। मुख्य रूप से आय या उम्र के गलत सत्यापन के कारण पेंशन रुकती है, इसलिए आय प्रमाण पत्र, आधार, और बैंक कॉपी विवरण के साथ फार्म फॉर्म जमा करें।

गणतन्त्र दिवस

भारत का संविधान, देश का सर्वोच्च विधान है। यह संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है, जबकि 26 जनवरी का दिन देश में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत के संविधान का मूल आधार भारत सरकार अधिनियम (1935) को माना जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

स्वाधीन और गणतंत्र भारत में हरियाणा का महायोगदान

1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा।

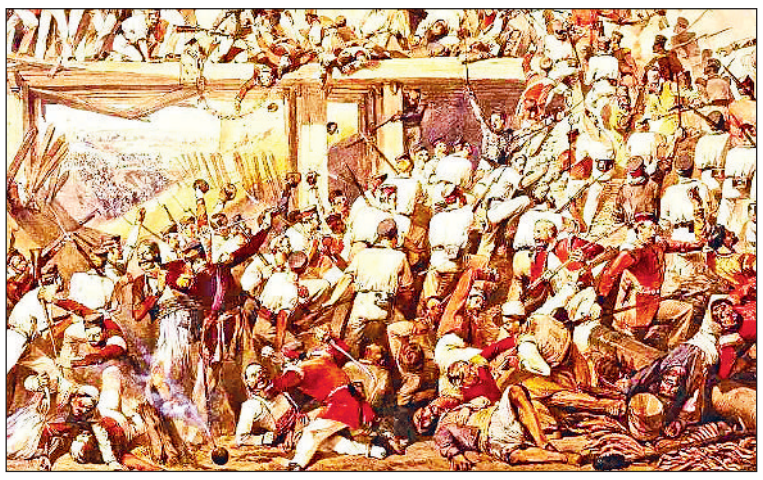

आजादी

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भौगोलिक दृष्टि से 'दिल्ली की देहरी' या 'भारत का प्रवेश द्वार' कहे जाने वाले हरियाणा का चरित्र वैदिक काल से ही कर्म और शौर्य का रहा है। यह वही भूमि है जहां महाभारत के धर्मयुद्ध में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का उद्घोष हुआ। इसी संस्कार ने कालांतर में विदेशी दासता के विरुद्ध एक प्रबल प्रतिरोध को जन्म दिया। 1857 की महाक्रांति से लेकर 1947 की स्वतंत्रता और तत्पश्चात 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक, हरियाणा ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। देश के लिए यहां का किसान हल छोड़कर तलवार उठाने में कभी नहीं हिचकिचाया और जवान कभी भी शहादत से पीछे नहीं हटा। आज उस कालखंड की यात्रा करते हैं जब हरियाणा के वीरों ने अपने रक्त से भारत के मस्तक पर आजादी का तिलक लगाया। इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में अक्सर 10 मई 1857 को मेरठ से क्रांति की शुरुआत मानी जाती है, लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज और स्थानीय लोकगाथाएं इसकी गवाही देती हैं कि क्रांति का वास्तविक बीजारोपण और प्रथम विस्फोट अंबाला की छावनी में हुआ था। मेरठ की घटना से लगभग 9 घंटे पूर्व, अंबाला छावनी में 60वीं नेटिव इन्फेंट्री और 5वीं नेटिव इन्फेंट्री ने विद्रोह की योजना बना ली थी। यह योजना अत्यंत व्यापक थी, जिसमें चर्च में अंग्रेजों पर हमला करना शामिल था। दुर्भाग्यवश, एक गद्दार सैनिक की मुखबिरी के कारण अंग्रेजों ने समय रहते हथियार जब्त कर लिए। यद्यपि अंबाला का विद्रोह दबा दिया गया, लेकिन इसने पूरे उत्तर भारत में अंग्रेजों के मन में भय का संचार कर दिया। जो इस बात का प्रमाण था कि हरियाणा की मिट्टी में विद्रोह के बीज अंकुरित हो चुके थे।

रेवाड़ी और अहीरवाल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व राव तुलाराम और उनके चचेरे भाई गोपाल देव ने किया। उन्होंने स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर अंग्रेजों को कर देना बंद कर दिया। 16 नवंबर 1857 को नारनौल के पास नसीबपुर के मैदान में जो युद्ध हुआ, वह 1857 की क्रांति के सबसे भीषण युद्धों में गिना जाता है। अंग्रेज अधिकारी कर्नल गेरार्ड के नेतृत्व वाली सेना और राव तुलाराम के वीरों के बीच हुए इस युद्ध में नारनौल की धरती लाल हो गई थी। कर्नल इस युद्ध में मारा गया, लेकिन संसाधनों के अभाव में राव तुलाराम को पीछे हटना पड़ा। वे तांत्या टोपे और अन्य क्रांतिकारियों से संपर्क साधने और विदेशी सहायता प्राप्त करने के लिए काबुल चले गए, जहां 1863 में उनकी मृत्यु हुई। उनकी स्मृति में आज भी हरियाणा 23 सितंबर को 'शहीदी दिवस' मनाता है। हरियाणा में क्रांति केवल राजाओं तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह सर्वखाप और जन-सामान्य का युद्ध था। हिसार और हांसी में लाला हुकम चंद जैन और मिर्जा मुनीम बेग ने क्रांति की मशाल थामी। जब अंग्रेज वापस लौटे, तो उनका दमन चक्र इतना क्रूर था कि हांसी की एक सड़क पर क्रांतिकारियों को लिटाकर उन पर भारी रोड रोलर चलवा दिए गए। वह सड़क आज भी 'लाल सड़क' के नाम से जानी जाती है। इसी प्रकार बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह ने दिल्ली की सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने अंग्रेजों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए कड़ा संघर्ष किया। अंततः धोखे से उन्हें गिरफ्तार किया गया और उनके जन्मदिन के ही दिन चांदनी चौक पर सार्वजनिक रूप से फांसी दी गई। भिवानी जिले के गांव रोहनात के क्रांतिकारियों ने 29 मई 1857 को गांव से 19 किलोमीटर दूर तोशाम स्थित सरकारी खजाने पर हमला करके उसे लूट लिया। बाद में उन्होंने हिसार के गुजरी महल स्थित एक जेल पर हमला किया और वहां कैद कई क्रांतिकारियों को छुडा लिया। रोहनात के ग्रामीणों के नेतृत्व में क्रांतिकारियों ने हांसी में ग्यारह और हिसार में 12 अंग्रेज अफसरों को मार डाला। इन क्रांतिकारियों में पुट्ठी मंगलखान, मंगाली, हाजिमपुर और जमालपुर जैसे आस-पास के गांवों के निवासी भी शामिल थे। इस कारण बाद में अंग्रेजों ने पूरे गांव को तोप से उड़ा दिया और बची हुई जमीन को नीलाम कर दिया। रोहनात के स्वाभिमानी लोगों ने आजादी के बाद भी दशकों तक तिरंगा नहीं फहराया, जब तक कि उनका सम्मान पूर्णतः बहाल नहीं हुआ। 1858 में हरियाणा को समृद्ध उत्तर-पश्चिमी प्रांत (आगरा-अवध) से अलग कर पंजाब में मिला दिया गया। यह केवल भौगोलिक हस्तांतरण नहीं था, बल्कि हरियाणा के विकास को अवरुद्ध करने का षड्यंत्र था। नहरी पानी रोका गया, शिक्षा के द्वार बंद किए गए और सरकारी नौकरियों में भेदभाव किया गया। इस घोर निराशा के काल में आर्य समाज एक प्रकाश स्तंभ बनकर उभरा। 1880 में स्वामी दयानंद सरस्वती ने रेवाड़ी आकर न केवल गोशाला की स्थापना की, बल्कि स्वदेशी और स्वराज का मंत्र भी दिया। आर्य समाज ने हरियाणा के ग्रामीण अंचल में शिक्षा का प्रसार किया और अंधविश्वासों को तोड़ा। लाला लाजपत राय ने हिसार को अपनी कर्मभूमि बनाया। आर्य समाज के मंचों से ही राष्ट्रीयता की भावना जन-जन तक पहुंची।

बाबू बालमुकुंद गुप्त, विशंभर नाथ कौशिक और पंडित श्रीराम शर्मा जैसे बुद्धिजीवियों ने अपनी कलम को हथियार बनाया। पंडित श्रीराम शर्मा का पत्र 'हरियाणा तिलक' और जाट गजट जैसे अखबारों ने लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। 'मिक्स्चर' और 'शिवशंभु के चिट्ठे' जैसे व्यंग्यों के माध्यम से अंग्रेजी शासन की बखिया उधेड़ी गई। अंग्रेजों से डोमिनियन स्टेटस की उम्मीद में प्रथम विश्व युद्ध के दौरान हरियाणा के हजारों युवाओं ने अपनी जान दी, लेकिन बदले में जलियांवाला बाग और काला कानून 'रोलेट एक्ट' मिला। 1919 में जब महात्मा गांधी इस दमनकारी कानून के विरोध में पंजाब जा रहे थे, तो 10 अप्रैल को उन्हें हरियाणा के पलवल रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार किया गया। यह महात्मा गांधी की भारत में पहली राजनीतिक गिरफ्तारी थी। 1920 से 1922 में असहयोग आंदोलन के दौरान पंडित नेकीराम शर्मा का कद बहुत बढ़ गया तो अंग्रेजों ने उन्हें खरीदने की कोशिश की और जमीन का लालच भी दिया। उनका कहना था, 'मुझे तो संपूर्ण भारत की भूमि चाहिए।' उन्हें 'हरियाणा केसरी' की उपाधि दी गई। रोहतक, भिवानी और अंबाला में विदेशी कपड़ों की होली जलाई गई। 1930 में दांडी मार्च के दौरान समुद्र विहीन हरियाणा में भी नमक कानून तोड़ा गया। रेवाड़ी, हिसार और अंबाला में खारा पानी उबालकर या मिट्टी से नमक बनाकर प्रतीकात्मक विरोध किया गया। इस आंदोलन की खास बात यह थी कि इसमें हरियाणवी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में हरियाणा का उग्र रूप देखने को मिला। 'करो या मरो' का नारा गांवों में गूंज उठा। डाकखाने, रेलवे स्टेशन और सरकारी इमारतें को निशाना बनाया गया।

> **यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है।**

इस आंदोलन में कालका की बेटी अरुणा आसफ अली ने जो शौर्य दिखाया, वह इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। जब कांग्रेस के सभी बड़े नेता जेल में थे, तब अरुणा आसफ अली ने मुंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में तिरंगा फहराकर आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्हें '1942 के आंदोलन की रानी' कहा जाता है। इसी प्रकार स्वतंत्रता संग्राम में चौधरी छोटूराम की भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने 'साहूकार पंजीकरण एक्ट' और 'कर्ज माफी' जैसे कानूनों के जरिए किसानों को आर्थिक गुलामी से मुक्त कराया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' के आह्वान का सबसे गहरा असर हरियाणा के युवाओं पर पड़ा। उस समय के संयुक्त पंजाब से आजाद हिंद फौज में भर्ती होने वाले सैनिकों में सबसे बड़ी संख्या हरियाणा के क्षेत्रों रोहतक, झज्जर, भिवानी और महेंद्रगढ़ से थी। मेजर सूरजमल, कर्नल मेहरदास और कैप्टन कंवल सिंह जैसे वीरों ने इंफाल और कोहिमा के मोर्चों पर ब्रिटिश सेना के छक्के छुड़ा दिए थे। सिंगापुर और बर्मा के जंगलों में लड़ते हुए हजारों हरियाणवी सपूतों ने शहादत दी। स्वतंत्रता संग्राम केवल अंग्रेजों को भगाने तक सीमित नहीं था, बल्कि यह सामंतवादी शक्तियों से मुक्ति और एक अखंड गणतंत्र के निर्माण की भी लड़ाई थी। 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ, लेकिन हरियाणा के कई हिस्सों में संघर्ष अभी बाकी था। हरियाणा में लोहारू, पटौदी, दुजाना और जींद जैसी कई रियासतें थीं जहां नवाबों और राजाओं का शासन था। यहां की जनता दोहरी गुलामी झेल रही थी, एक अंग्रेजों की और दूसरी स्थानीय शासकों की। लोहारू के नवाब के अत्याचारों के खिलाफ किसानों ने लंबा संघर्ष किया। 1946-47 में प्रजामंडल आंदोलन ने उग्र रूप ले लिया, जिसके कारण अंततः नवाब को झुकना पड़ा और लोहारू का भारत संघ में विलय हुआ। पटौदी और दुजाना में भी बाबू दयाल शर्मा और अन्य नेताओं के नेतृत्व में प्रजामंडल ने रियासतों के लोकतंत्रीकरण और भारत में विलय के लिए आंदोलन चलाया। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि हरियाणा का कोई भी हिस्सा राजशाही के अधीन नहीं रहा।

1857 की क्रांति के पहले शहीद से लेकर 1947 के अंतिम संघर्ष तक और फिर 562 रियासतों के एकीकरण के महायज्ञ तक, हरियाणा ने जो आहुति दी है, वह अविस्मरणीय है। यह केवल संयोग नहीं है कि आज भी भारतीय सेना में हर दसवां सैनिक हरियाणा से आता है। यह उस विरासत का विस्तार है जो राव तुलाराम, राजा नाहर सिंह, लाला लाजपत राय, अरुणा आसफ अली जैसे हजारों अज्ञात शहीदों ने सौंपी थी। आज जब भारत 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है और एक सशक्त गणतंत्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उस नींव के पत्थरों को नमन करना हमारा परम कर्तव्य है। हरियाणा के इन वीरों की गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्र-आराधना के लिए प्रेरित करती रहेंगी।

कविता **कृष्ण गोपाल विद्यार्थी**

चुनाव घोषणा पत्र

पंच बणया सरपंच बणया पर कोन्या पार बसाई
एमएलए का लड़ूं इलैक्शन इब के जी म्हं आई

भाण-भाईयो इब कै सारे मिलकै जोटा ला दो
किसे ढाल अपणे भाई नै चण्डीगढ पहुँचा दो
मेहर करो कट ज्या मेरी भी माया की करड़ाई...

थमनै बेरा सै मैं कदै भी झूठी बात ना करता
चोगरदे कै देख लिया अक चौधर बिन ना सरता
थम जणो सो नहीं सेधती लीडर नै महँगाई...

एमएलए बणग्या तै थारे सारे काम करूँगा
मीठे पाणी की ठूठी हर घर म्हं लगवा दयूंगा
जोहड़ के पाणी नै कद तक पीवैंगे लोग लुगाई...

दिल्ली मैट्रो के आवण म्हं कती ना होगी देरी
हर पाने म्हं बणें स्टेशन रहैगी कोशिश मेरी
हर टेसन पे करैंगे स्वागत हलके के हलवाई...

बिजली-पाणी के बिल थारे कती ऐ माफ़ करूंगा
टीम बणा कै सारी गालां नै खुद साफ़ करूंगा
बीमारां नै मुफ्त मिलेंगें डाक्टर और दवाई...

शहर म्हू एयरपोर्टग्राम म्हं हेलीपैड बणैंगे
जोहड़ म्हं पाणी कम होया तै बारिश ड्रोन करैंगे
घर-घर सी.सी.टीवी होगें मुफ्त म्हं वाई फाई...

जीत गया तै सुख पाओगे गुण गाओगे मेरा
गलती ते भौ हरा दिया तैफेर थमने सै बेरा
खाट खड़ी कर दयूंगा सबकी ज्यै कुर्सी ना थ्याई..

कविता **राजपाल सिंह गुलिया**

भाईचारा वो आपस का

भाईचारा वो आपस का , प्रेम प्यार वो कड़ै गए ।
च्यार आदमी के कहँगे इब, बता च्यार वो कड़ै गए ॥

कड़ै गया वो हाँस्सी ठट्ठा ,कड़ै गया वो लास्सी मठ्ठा ,
आपस के इस प्रेम भाव का , किसने बठा दिया सै भट्ठा
कोळी भर - भर मिल्या करैं थे , मिलनसार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम-प्यार वो कड़ै गए॥

भूलै सब अपणी रीताँ नै, सुर बदले सैं इन गीताँ नै
कोए देख कै राजी ना सै, आजकाल खाते पीताँ नै
यारबाज दुख बाँट्या क... बात यार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का, ...म - प्यार वो कड़ै गए ॥

गायब सै इब हँसी ठिठोळी, बात-बात पै मारैं गोळी,
दिल इनका बेरहम घणा सै, सूरत इनकी लागें भोळी
कड़े सरम के गए रिसाले, रिसलदार वो कड़ै गए ।
भाईचारा वो आपस का, प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

कोसिस सब नै करणी होगी. नई नींम याह धरणी होगी.
खाई खोदी जो नफरत की , सबनै मिलकै भरणी होगी
डगमग होर्यी नाव आज याह, कर्णधार वो कड़ै गए।
भाईचारा वो आपस का , प्रेम - प्यार वो कड़ै गए ॥

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

कवायद

निर्माण पर 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया

अंग्रेजों को 18 वर्ष लगे थे नई दिल्ली शहर बसाने में

इतिहास **यशपाल गुलिया**

वर्ष 1912 तक अंग्रेजों ने भारत में अपना साम्राज्य कलकत्ता को राजधानी बनाकर कायम किया था। बता दें कि तीसरे दिल्ली दरबार में 12 दिसम्बर 1911 को अंग्रेज सम्राट जार्ज पंचम ने दिल्ली को राजधानी घोषित किया था। दिल्ली का तीसरा दरबार मुखर्जी नगर के पास कोरोनेशन पार्क में लगा था, जिसमें प्रथम बार कोई बरतानवी सम्राट व महाराना मेरी पधारे थे।

उस समय भारत का अंग्रेज वायसराय लॉर्ड हार्डिंग था। सम्राट के साथ भारत मन्त्री मार्कविश क्रीऊ भी आया था। उस भव्यतम दरबार में भारतीय देशी शासकों, नवाबों व राजाओं के लिए सिविल लाइन में अलग से शिविर लगाए गए थे। दरबार स्थल के पास सम्राट ने अंग्रेजों की नई राजधानी की आधारशिला रखी थी। कहा गया था कि आने वाले कुछ ही वर्षों में इस स्थान पर भव्य इम्पीरियल राजधानी स्थापित होगी, लेकिन उसी दौरान कुछ ऐसी घटनाएं हुई थी जिसको अंग्रेजों के लिए अपशुकन कहा जाता है। प्रथम तो जार्ज पंचम विलायत से चले तो दुर्घटना हुई थी। दूसरी घटना, दरबार करने के बाद सम्राट के खेमे में आग लग गई। तीसरी, लार्ड हार्डिंग के जुलूस निकालते समय 23 दिसम्बर को उनके हाथी पर चांदनी चौक में बम से हमला किया गया, लेकिन उनसे भयभीत हुए बगैर लार्ड हार्डिंग ने कलकत्ता से दिल्ली राजधानी स्थानान्तरण का कार्य आरम्भ रखा। वह अपना प्रशासनिक मुख्यालय दिल्ली यूनिवर्सिटी में स्थापित करके विधिवत योजना बनाने में व्यस्त रहे। मैटकाफ हाऊस को काउंसिल हाउस के तौर पर प्रयोग किया गया।

नई दिल्ली स्थित वायसराय हाउस जो 1947 के बाद राष्ट्रपति भवन कहा जाने लगा। अंग्रेजों द्वारा निर्मित 1857 संग्राम का स्मारक।

नई राजधानी का अलग से शहर बसाने के लिए विशेषज्ञों की राय एवं समिति बनाई जाने लगी। इसी क्रम में सर्वप्रथम लार्ड हार्डिंग ने 17 सितम्बर 1912 को दिल्ली को एक सूबा बनाया, जो 1858 से पंजाब का एक जिला मात्र बना दिया गया था। तब तक ब्रिटेन से भी घटना विशेषज्ञों, योजनाकारों एवं अभियन्ताओं की एक महत्वपूर्ण समिति को गठित किया गया था। इसमें एडविन एन लुटियन्स, जान. ए. ब्रोडी, हरबर्ट बेकर, कैप्टन जार्ज स्वीन्टन, थामस वार्ड और जैफरी मोन्ट मोरेन्सी थे। उस ऐतिहासिक समिति को 12 मार्च 1912 को स्वीकृति प्रदान करते हुए सम्राट ने हिदायत दी कि यह आवश्यक नहीं है कि जहां शिलान्यास हुआ था, वहीं नया शहर बसाया जाए। दिल्ली की रिज को अंग्रेजों के लिए शुभ बताते हुए वहां कुछ निर्माण नहीं करना। उल्लेखनीय है कि 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में अंग्रेज सेना चार मास तक उसी रिज पर डटी रही तथा वहीं से दिल्ली पर अंग्रेज फिर से कब्जा ले सके थे। आदेशानुसार नवगठित समिति ने 28 मार्च 1912 को दिल्ली के लिए प्रस्थान किया और वहां पहुंचकर शामनाथ मार्ग स्थित मेडेन होटल में डेरा डाल दिया। तब लार्ड हार्डिंग के काफी विचार-विमर्श के बाद नए शहर के लिए स्थान निश्चित किया गया, जो मालचा नामक गांव के क्षेत्र तथा रायसिना की निम्न पहाड़ी का क्षेत्र था। इसके बाद समिति ने गांव को स्थानान्तरित करके नए शहर के भवनों का निर्माण आरम्भ कर दिया। वर्तमान राष्ट्रपति भवन, संसद भवन, छावनी व अन्य मुख्यालय भवनों का कार्य आरम्भ ही हुआ था कि 1914 में प्रथम विश्वयुद्ध हो जाने से अनेक बाधाएं आई। अन्ततः 18 वर्षों के बाद वर्तमान नई दिल्ली का कार्य सम्पन्न हुआ। इसमें तब 15 करोड़ रुपये की कुल राशि व्यय हुई तथा कुल 21 हजार मजदूरों ने उस अवधि में कार्य किया। तब तक हार्डिंग के बाद चेम्सफोर्ड, लार्ड रिडिंग व लार्ड इर्विन दिल्ली में वायसराय के पद पर विराजमान हुए। 15 फरवरी 1931 को लार्ड इर्विन ने नई दिल्ली का उद्घाटन किया। कुछ सहयोगी भारतीय शासकों पटियाला, बड़ोदा, हैदराबाद, जयपुर व बिकानेर आदि के राजाओं के लिए भी अपने भवन बनाने के लिए नई दिल्ली में जगह दी गई थी। हालांकि, उद्घाटन के बाद केवल 16 वर्षों तक ही अंग्रेज नई दिल्ली का उपयोग कर पाए।

हरियाणवी सिनेमा में बेहतर कंटेंट कम और चुनौतियां ज्यादा : मनीषा हंस

कलाकार **डा. तबस्सुम जहां**

मनीषा हंस वह शख़्सियत हैं जिन्हें थियेटर के माध्यम से न केवल अभिनय के गहरे संस्कार मिले हैं बल्कि वे हमेशा लीक से हटकर संजीदा व अर्थपूर्ण काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह एक सशक्त अभिनेत्री और प्रभावी मंच संचालि होने के साथ ही एक प्रतिबद्ध सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं, जो सामाजिक मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। मनीषा हंस का बचपन ज्यादातर हिसार में बीता। इन्होंने बीए (संस्कृत ऑनर्स), एमए (अंग्रेज़ी) राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हिसार से तथा एमए (हिंदी) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से की।

ये 1988–90 में लगातार दो बार यूनिवर्सिटी की बेस्ट एक्ट्रेस रहीं और फरवरी 1990 में राष्ट्रीय युवा उत्सव में चयनित नाटक 'कुमारसम्भव' में अभिनय किया। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित साक्षरता एवं सतत शिक्षा कार्यक्रम 'सर्च' राज्य संसाधन केंद्र, हरियाणा में 22 वर्षों तक सीनियर फ़ेलो के रूप में कार्य किया और वर्तमान में रोहतक में ज्ञान–विज्ञान आंदोलन से जुड़ी हुई हैं। साक्षरता अभियान से जुड़कर उन्हें समझ आया कि समाज के विकास में ही अपना विकास है और कला जन-उत्थान का सशक्त माध्यम है। महिलाओं के साथ काम करते हुए उन्होंने पितृसत्तात्मक समाज की सच्चाइयों को समझा और 1999 में जेंडर विमर्श पर आधारित नाटकों के माध्यम से गांवों तक यह संदेश पहुंचाया। वे लल्लन टॉप के उस मंच तक पहुंचने तथा वायरल होने के विषय में बताती हैं कि इस कार्यक्रम में बहस के दौरान हुए तर्क-वितर्क से प्रेरित होकर स्वतः स्फूर्त जावेद अख्तर साहब और मौलाना से सवाल पूछा गया। इसके पीछे उनकी कोई पूर्व नियोजित सोच नहीं थी। उनके अनुसार समाज को बेहतर बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। कमज़ोर होते मानवीय मूल्यों के बीच एक मानवीय समाज का निर्माण ही हमारा साझा लक्ष्य होना चाहिए। वह समाज सेवा को स्वयं के लिए सुकून नहीं बल्कि जीवन भर का संघर्ष मानती हैं, उनका मानना है कि विकास आज भी एक तरफ़ा है और अवसर मुट्ठी-भर लोगों तक सीमित हैं। स्वयं उनके शब्दों में - 'मैं मानती हूं कि प्रतिभाओं की नहीं, अवसरों की कमी है, और संस्थाओं के साथ मिलकर सामूहिक प्रयास से ही समाज की व्यवस्था बेहतर हो सकती है।' उनका मानना है कि समाज के सहयोग से ही व्यक्ति पहचान पाता है, इसलिए समाज के प्रति अपना ऋण समझना ज़रूरी है।

मनीषा ने अपने अभिनय करियर में फ़ीचर फ़िल्मों, वेब सीरीज़, शॉर्ट फ़िल्मों, विज्ञापनों और ओटीटी प्रोजेक्ट्स में विविध भूमिकाएं निभाई हैं। प्रमुख फ़िल्मों में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हरियाणवी फ़ीचर फ़िल्म पगड़ी द ऑनर, नई पीढ़ी (हरियाणवी फ़िल्म, अप्रदर्शित), स्टेज पर वेब सीरीज़ दहलीज़, ओटीटी सीरीज़ सुरंग (कैमियो) और तांडव (कैमियो) शामिल हैं। इसके अलावा जनेऊ, ताली, ममता, लॉक अप/डाउन, स्टूडियो एक्सरसाइज़, क्राइम स्टोरी ऑन ख़बर फ़ास्ट, ज़रक, धारां का टेम, फ़ीचर फ़िल्म धावक, पंजाबी शॉर्ट फ़िल्म छलावों की बारात के लिए वॉयस ओवर, आकाश घर तथा लाहौरी जीरा विज्ञापन में अभिनय किया है। इसके अलावा पारो, द अनओन्ड हाउस और ममता फ़िल्म को अनेक नेशनल इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल में सम्मानित किया जा चुका है। हरियाणवी फ़िल्म इंडस्ट्री के अभी तक के सफर के बारे में वह बताती हैं कि हरियाणवी फ़िल्मों में एक ओर दिखावटी गौरव और मौज-मस्ती है, तो दूसरी ओर किसान, मज़दूर और महिलाओं के संघर्ष को ईमानदारी से दिखाने की कोशिश। सीमाओं के बावजूद ऐसी फ़िल्में पैरलल सिनेमा जैसी लगती हैं और युवाओं की बढ़ती रचनात्मकता से भविष्य की उम्मीद बनती है। उनके अनुसार, दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना एक सकारात्मक कदम है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं। हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। इसके अलावा अभी हरियाणवी सिनेमा से संतुष्टि की बात नहीं है, क्योंकि बेहतर कंटेंट कम है और चुनौतियां ज़्यादा हैं। सिनेमा का दायित्व है कि वह समाज से सवाल करे और कलाकारों व स्टाफ को उचित मेहनताना देकर कला के स्तर को ऊपर उठाए। सुपवा ने हरियाणा और उत्तर भारत के छात्रों को सिनेमा-टीवी की समझ और आगे बढ़ने का अच्छा अवसर दिया है।

हरियाणा से बहुत टैलेंट मुंबई गया है तो क्या आप उसे पलायन मानती हैं या अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय फलक देने का एक अवसर। इस विषय पर मनीषा हंस ने बताया कि हरियाणा से मुंबई जाकर काम करना पलायन नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति और अवसर की तलाश है, क्योंकि यहां सिनेमा का सतत माहौल और नीतिगत सहयोग पहले नहीं रहा। कला बिना अभिव्यक्ति के संभव नहीं होती, इसलिए कलाकारों ने बाहर जाकर पहचान बनाई और हरियाणवी सिनेमा की तो अभी शुरुआत ही है। छोटे प्लेटफॉर्म्स पर कम निवेश से क्वालिटी और कलाकारों की आजीविका दोनों प्रभावित हो रही हैं, हरियाणवी परिदृश्य में काम तो शुरू हुआ है पर स्थायित्व अभी नहीं है। मनीषा मानती हैं कि हरियाणा में स्टेज ऐप सिनेमा के क्षेत्र में अच्छा काम कर रहा है। इस पर कंटेंट के स्तर में सुधार शुरू हुआ है, इसे बनाए रखते हुए कलाकारों को सुरक्षा देने वाला मजबूत प्लेटफॉर्म बनना चाहिए। एक्टर यूनियन, कॉन्ट्रैक्ट, रॉयल्टी और बेहतर इन्वेस्टमेंट पर ध्यान दिए बिना उच्च स्तरीय कंटेंट संभव नहीं है।

> **वेबसीरीज़ सकारात्मक कदम**
>
> मनीषा वेबसीरीज़ और ओटीटी प्लेटफार्म का आना हरियाणवी सिनेमा के क्षेत्र में एक सकारात्मक कदम मानती हैं, क्योंकि वेबसीरीज़ ने दर्शकों की आदतें बदली हैं और ओटीटी का उभरना सकारात्मक है, जहां बड़े प्लेटफॉर्म्स अधिक निवेश, बेहतर तकनीक और विविध विषयों के कारण ऊंचा स्तर दिखाते हैं।

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम में खेलेगा रोहतक का मयंक

मयंक चौधरी

रोहतक। भारत में आयोजित होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में इस बार हरियाणा के रोहतक जिले का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमकेगा। गांव घिलौड़ कलां निवासी और दुरा डेयरडेविल्स टीम के प्रतिभाशाली क्रिकेटर मयंक कुमार चौधरी का चयन यूएई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीम में हुआ है। इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी की लहर है। 5 फरवरी 1997 को जन्मे मयंक चौधरी ने महज 10 वर्ष की उम्र में क्रिकेट खेलना शुरू किया था। उनका सपना शुरू से ही बड़े स्तर पर क्रिकेट खेलना रहा।

चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा की पुण्यतिथि मनाई

रोहतक। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के पिता स्वर्गीय रणबीर सिंह की 18वीं पुण्यतिथि पर उनको आईएमटी चौक स्थित समाधी स्थल पर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि देने के लिए पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा और सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा पहुंचे। साथ ही कांग्रेस के विधायकों व नेताओं ने भी रणबीर सिंह के समाधी स्थल पर पहुंचकर नमन किया। इस दौरान वक्ताओं ने बताया कि रणबीर सिंह सबसे कम उम्र में भारत की संविधान सभा के मेंबर रहे। वे देश के इकलौते ऐसे नेता रहे, जो अपने जीवनकाल में 7 सदनों के मेंबर रहे।

पंडित नेकीराम शर्मा कॉलेज के खेल मैदान में अंतर-महाविद्यालय फुटबाल प्रतियोगिता

तीसरे स्थान के लिए पं. नेकीराम कॉलेज व टीकाराम गर्ल्स कॉलेज सोनीपत के बीच होगा मुकाबला

किशोरी व वैश्य महिला कॉलेज की टीमें फाइनल में पहुंची

सर्वांगीण विकास के लिए खेल महत्वपूर्ण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के खेल मैदान में रविवार से दो दिवसीय अंतर-महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया और शानदार खेल प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला सोमवार को महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय एवं वैश्य महिला महाविद्यालय रोहतक के बीच खेला जाएगा। वहीं तीसरे स्थान के लिए पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय और टीकाराम गर्ल्स कॉलेज सोनीपत के बीच मुकाबला होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुरेंद्र सांगवान रहे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी आगे बढ़ना चाहिए।

प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय की टीम ने यूटीडी एमडीयू रोहतक की टीम को 2-1 से पराजित कर विजय प्राप्त की। दूसरे मैच में टीकाराम कन्या महाविद्यालय सोनीपत की टीम ने राजकीय महाविद्यालय बादली की टीम को 3-0 से हराया। पहले सेमीफाइनल मुकाबले में महारानी किशोरी जाट कन्या महाविद्यालय रोहतक की टीम ने पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय महाविद्यालय की टीम को 1-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में वैश्य महिला महाविद्यालय, रोहतक और टीकाराम गर्ल्स कॉलेज, सोनीपत के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। यह मैच अत्यंत रोमांचक रहा, जिसमें वैश्य महिला महाविद्यालय की टीम ने पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज की।

रोहतक। अंतर-महाविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो.सुरेंद्र सांगवान,डॉ. धर्मेंद्र कादयान,कोच रमेश सिंधु व अन्य कोच।

इंटर कॉलेज नेटबॉल में जाट व किशोरी कॉलेज के बीच फाइनल मैच आज

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में रविवार से इंटर कॉलेज नेटबॉल दो दिवसीय प्रतियोगिता शुरू हुई। पहले दिन रोमांचक मुकाबले खेले गए। मुकाबले एमडीयू खेल परिसर में खेले गए। इसमें जाट कॉलेज और किशोरी कॉलेज ने फाइनल में प्रवेश किया। सोमवार को फाइनल व तीसरे स्थान के मुकाबले खेल जाएंगे। पहले दिन प्रतियोगिता का शुभारंभ खेल निदेशक डॉ. शकुंतला बेनीवाल, डॉ. तेजपाल और कोच विजय ने किया। डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने विजेता टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल छात्राओं में आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने खिलाड़ियों की मेहनत और लगन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं युवाओं को उच्च स्तर के खेल प्रदर्शन के लिए प्रेरित करती हैं। डॉ. तेजपाल, कोच विजय ने भी विजेता खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने आगे भी शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. नरेश, डॉ. मनीषा, सुमन, मान, और दर्शना मौजूद रही। कोच विजय ने बताया कि पहला मैच किशोरी कॉलेज और सैनी कॉलेज के बीच खेला गया इसमें किशोरी कॉलेज ने जीत प्राप्त की।

शहीद भगत सिंह एकादश जीती

रोहतक। विश्वकर्मा क्रिकेट मैदान में खेले गए गोयल विंटर कप के मैच में शहीद भगत सिंह क्रिकेट क्लब एकादश ने संजू एकादश को पांच विकेट से हराया। मोनू तोमर को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए संजू एकादश की टीम 13 ओवर में 64 रन पर ऑलआउट हो गई। संजू एकादश की ओर से सचिन ने 22 रन बनाए। भगत एकादश की ओर से मोनू ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 25 रन देकर पांच विकेट लिए। इसके जवाब में भगत एकादश ने 7.5 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 65 रन बनाकर पांच विकेट से मैच जीता। भगत सिंह एकादश की ओर से एसएस ने 34 रन बनाए। संजू एकादश की ओर से मनीष ने तीन विकेट लिए।

निंदाना के कर्ण व मायना की अंतिम ने जीता स्वर्ण पदक

रोहतक। गांव मायना में बाबा हरिदास ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस प्रतियोगिता में 800 मीटर (बॉयज) दौड़ में निंदाना गांव के कर्ण व लड़कियों में मायना की अंतिम ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया । 1600 मीटर दौड़ में निंदाना के सुख प्रथम,महेंद्रगढ़ के इरफान द्वितीय,पाकस्मा के हर्षित तृतीय रहे । लड़कियों की 1200 मीटर रेस में अंतिम मायना, निधि निंदाना व मानवी सुनारिया ने क्रमशः प्रथम,द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया । इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री के ओएसडी गजेंद्र फौगाट ने ग्रामीणों से खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

खबर संक्षेप

संत रविदास जन्मोत्सव समारोह मनाया

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डीएसपी गुलाब सिंह को स्मृति चिह्न देते कार्यवाहक प्रधान नरेंद्र आर्य,सतबीर सिंह,रोहतास तंवर व अन्य पदाधिकारी।

रोहतक। संत शिरोमणि गुरु रविदास के 649 वें जन्म उत्सव पर संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर तेज कॉलोनी रोहतक के प्रांगण में विशाल समारोह का आयोजन किया। बतौर मुख्य अतिथि डीएसपी गुलाब सिंह, मुख्य वक्ता कृष्ण कलानौर ने शिरकत की। समारोह की अध्यक्षता नरेंद्र आर्य कार्यवाहक प्रधान संत शिरोमणि गुरु रविदास महासभा रोहतक ने की। समारोह में शामिल सभी अतिथियों को पगड़ी व स्मृति चिन्ह भेंट करके सम्मानित किया गया। समारोह के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस पावन अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट शिक्षा, खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन व हरियाणा पब्लिक सर्विस कमिशन के माध्यम से नौकरी पाने वाले रविदासी समाज के युवा व युवतियों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर रोहतास तंवर, बलवंत सिंह भोरिया, सागर मुराल, मास्टर नरेश गहलोत व राजकुमार रंगा मौजूद रहे।

एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट

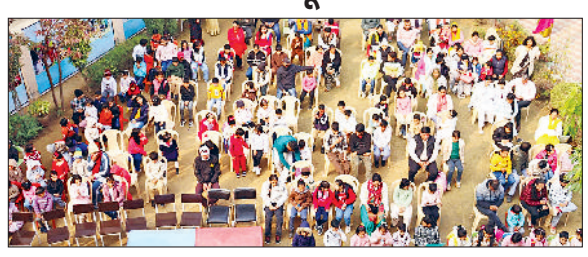
रोहतक। एचडी लिटिल ब्लॉसम्स स्कूल में छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को स्कालरशिप, कलरिंग व कैलीग्राफी टेस्ट का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा नर्सरी से लेकर पांचवी तक के 274 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निदेशक सुरेंद्र फोगाट ने बताया कि इसका उद्देश्य प्रतिभाशाली और मेहनती विद्यार्थियों की पहचान कर उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करना है। परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। परीक्षा से पहले आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए गए। कृष्णा फोगाट ने कहा कि शिक्षा ही राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है और इस प्रकार की परीक्षाएं बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ आत्मविश्वास भी बढ़ाती है। प्रधानाचार्या जगवंती कादयान ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित पुरस्कार दिया गया। बाल मनोवैज्ञानिक डॉ कविता शर्मा द्वारा एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया।

अंबेडकर नगर में भंडारे का आयोजन

रोहतक। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की जयंती के पावन अवसर पर श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता का भव्य दृश्य देखने को मिला। रविवार को हिसार रोड स्थित अंबेडकर नगर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में गुरु रविदास महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा सभी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. अशोक रंगा रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि संत रविदास महाराज ने समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास ऐसे राज की संकल्पना करते थे जिसमें अमीर गरीब,ऊंच नीच का भेदभाव ना हो तथा प्रत्येक व्यक्ति बिना दुख और गम के अपना जीवन यापन करें। इस अवसर पर ऋषिपाल ,संजीव, वेदप्रकाश, राजन, रवि कटारिया, ओम प्रकाश, साहिल, शनकी, सतपाल, विकी, सुनील, दर्शन आदि उपस्थित रहे।

भैणी सुरजन में धूमधाम से मनाया गया संत रविदास जन्मोत्सव

महम। रविदास जयंती पर झांकी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

महम। भैणी सुरजन गांव में सन्त शिरोमणि रविदास जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। गांववासी राजकुमार मैहरा ने बताया कि बतौर मुख्यातिथि सतगुरु मंदिर सैमाण के गद्दीनशीन महन्त डॉ सतीश दास ने शिरकत की। महन्त सतीश दास ने कहा कि सन्त सर्व समाज के होते हैं और सर्व समाज के भले के लिए कार्य करते हैं। इस दौरान गांव में झांकी निकाली गई और महिलाओं ने क्लश यात्रा निकाली। वहीं भंडारे का आयोजन भी किया गया। जिसमें ग्रामीणों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान प्रधान राजकुमार मैहरा ने कहा कि हमें गुरु रविदास की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस अवसर पर राजकुमार मैहरा, निखिल मैहरा, सुरेंद्र, अंकुश, सन्नी प्रजापत, आदि मौजूद रहे।

सीखने के विभिन्न आयाम प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में "लर्निंग 360 डिग्री" एकेडमिक प्रस्तुतियां दीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल में कक्षा तीसरी चौथी के विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को समर्पित लर्निंग 360 डिग्री थीम पर एक भव्य, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी एकेडमिक प्रस्तुतियां कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य ने सभी अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य यह दर्शाना था कि सीखना केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुभव, प्रयोग, कला, संस्कृति और जीवन कौशल के माध्यम से भी संभव है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से यह दिखाया कि कैसे पढ़ाई को बोझ समझने वाला बच्चा शिक्षकों के मार्गदर्शन से सीखने को आनंदमय अनुभव में बदल देता है। इसके बाद राज्य नृत्य शैलियों, विज्ञान प्रयोग, कविता पाठ, गणितीय गतिविधि नृत्य, व्यक्तिगत स्वच्छता पर आधारित ब्रशिंग डांस, फैशन शो लर्निंग ऑन द रैंप, तथा योग प्रदर्शन के माध्यम से बच्चों ने सीखने के विविध आयामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।

अनुभव आधारित व कौशल केंद्रित होनी चाहिए शिक्षा

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) डीएलसी सुपवा निदेशक डॉ. सीमा को विद्यालय परिवार की ओर से दुशाला ओढ़ाकर एवं स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "आज की शिक्षा को अनुभव आधारित और कौशल केंद्रित होना चाहिए। ऐसे कार्यक्रम बच्चों में जिज्ञासा, नवाचार और आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं।" उन्होंने विद्यालय द्वारा किए जा रहे शैक्षणिक नवाचारों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

दयानन्द मठ में हुआ वैदिक सत्संग

रोहतक। मासिक वैदिक सत्संग में प्रवचन देते आर्य।

रोहतक। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा दयानन्द मठ रोहतक में प्रतिमास के प्रथम सप्ताह में होने वाले मासिक वैदिक सत्संग का शुभारम्भ प्रातः 9 बजे यज्ञ द्वारा किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य सन्तराम रहे। इसके पश्चात देव ऋषि विद्यापीठ सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल नन्दगढ़, जुलाना के ब्रह्मचारियों ने मधुर स्वर में गीत सुनाए तथा कृष्णा आर्या ग्राम बालन्द जिला रोहतक ने अपने मधुर तथा ओजस्वी स्वर में महर्षि का सन्देश प्रस्तुत किया।

- जुलाना से आए ब्रह्मचारियों ने मधुर स्वर में गीत सुनाए

मंच का कुशल संचालन करते हुए सुभाष सांगवान प्रधान वेदप्रचार मण्डल जिला रोहतक ने बताया कि इस वैदिक सत्संग में आर्य प्रतिनिधि सभा हरयाणा दयानन्दमठ रोहतक के नवनिर्वाचित मन्त्री विजय पाल सिंह आर्य (सोनीपत) पधार रहे हैं। सत्संग में उपस्थित मन्त्री विजय पाल सिंह आर्य ने अपने उद्बोधन में बताया कि हमें ऋषि दयानन्द के इस मिशन को तेजी के साथ आगे बढ़ाना है जिसमें आप लोगों का सहयोग भी आवश्यक है।

संत रविदास के दिखाए मार्ग पर चलें

रोहतक। श्रीनगर कॉलोनी में संत शिरोमणि रविदास को नमन करते पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर।

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने रविवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती पर आयोजित करीब आधा दर्जन कार्यक्रमों में शिरकत की। बतौर मुख्य अतिथि लोगों को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास सर्व समाज के संत थे। वह किसी एक जाति या धर्म के संत नहीं थे, उन्होंने पूरी दुनिया को रास्ता दिखाने का काम किया था। हमें उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ते हुए राष्ट्र की सेवा करने चाहिए। पूर्व मंत्री ग्रोवर ने श्रीनगर कॉलोनी में संत शिरोमणि रविदास पार्क में नवनिर्मित शिरोमणि भवन का उद्घाटन किया। पूर्व मंत्री ने कहा कि रोहतक के लोगों ने जब उन्हें विधायक बनाया तो श्रीनगर कॉलोनी के लोगों ने पार्क की मांग रखी थी, जिसे पूरा करवाने का काम किया।

- पूर्व सहकारिता मंत्री मनीष कुमार ग्रोवर ने की शिरकत

रोहतक रनर्स ग्रुप ने की श्रद्धांजलि दौड़

रोहतक। महान स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय संविधान सभा के सदस्य एवं लोकसभा के दोनों सदनों के सदस्य रहे सयुंक्त पंजाब एवं हरियाणा के पूर्व मंत्री रणबीर सिंह हुड्डा की 17 वीं पुण्यतिथि पर रोहतक रनर्स ग्रुप द्वारा रविवार को श्रद्धांजलि दौड़ का आयोजन किया गया। यह दौड़ सुबह 7 बजे छोटूराम स्टेडियम से प्रारंभ होकर आई एम टी चौक चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा के समाधि स्थल पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर वापिस छोटूराम स्टेडियम में समाप्त हुई। इस दौड़ में रामफल फोगाट, बिमला बनवाला, अशोक राणा , रविंद्र सिवाच, जितेंद्र हुड्डा, तुलसी लखेरा, प्रवीण जांगड़ा, कुलवंत अहलावत ,रमेश हुड्डा, सज्जन धनखड़ ,राजेश पायलट और अरविन्द पाल दहिया आदि शामिल रहे।

गुरु रविदास का संदेश आज भी प्रासंगिक

रोहतक। विधायक भारत भूषण बत्रा ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है। विधायक बत्रा ने कहा कि गुरु रविदास के विचारों को अपनाकर ही एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है। बत्रा ने आज संत शिरोमणि गुरु रविदास की जयंती के अवसर पर रोहतक शहर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। बत्रा ने गुरु रविदास को श्रद्धापूर्वक नमन किया और प्रसाद ग्रहण किया। विधायक भारत भूषण बत्रा ने कहा कि गुरु रविदास केवल एक संत नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, मानवीय गरिमा और आपसी भाईचारे की सशक्त विचारधारा थे।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
Latest MRI & Multi Slice CT SCAN
- Neuro Surgery
- General Medicine
- General Surgery
- Orthopedics
- ब्रेन, रीड़ की हडिड्यों का ईलाज
- दूरबीन द्वारा सभी बिमारियों के ऑपरेशन
- पेट, छाती से सम्बंधित सभी बिमारियों का ईलाज

फौजी भाईयों का इलाज ECHS
- हरियाणा सरकार
- आयुष्मान भारत
- ESIC के पैनल पर

DR. BALKISHAN GOEL
M.B.B.S, M.S, M.CH.
TRAUMA CENTRE, ICU & CRITICAL CARE
NEURO-ICU, GENERAL ICU, HDU (HIGH DEPENDANCY UNIT) ज़हर POISIONING CASE
24 HRS LAB/CAFE/PHARACY/AMBULANCE

कार्यक्रम रक्तदान, चिकित्सा जांच और नेत्रदान शिविर का भी आयोजन

डिस्पेंसरी और धर्मशाला का किया शिलान्यास

सती भाई साईं दास सेवा दल की ओर से हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

सती भाई साईं दास सेवा दल रोहतक द्वारा संचालित डिस्पेंसरी एवं धर्मशाला का शिलान्यास कार्यक्रम गद्दीनशीन महंत रामसुख दास महाराज के सानिध्य में हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा रहे जबकि अध्यक्षता पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर ने की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में एलपीएस बोसार्ड के एमडी राजेश जैन रहे। विशिष्ट अतिथि मार्केट कमेटी के चेयरमैन अशोक चौधरी, मेयर रामअवतार वाल्मीकि, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, सतीश मालिक, डॉ. आदित्य बत्रा, डॉ. करण भूटानी, डॉ समीर मल्होत्रा पानीपत रहे।

कार्यक्रम में रक्तदान शिविर, चिकित्सा जांच शिविर एवं नेत्रदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 100 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया एवं नेत्र जांच शिविर में 500 से ज्यादा मरीजों की जांच सिविल अस्पताल से आए डॉ. समीर मल्होत्रा एवं टीम पानीपत द्वारा की गई एवं दवाएं एवं चश्मे वितरित किए गए। चिकित्सा जांच होली हार्ट हॉस्पिटल से डॉ करण भूटानी के नेतृत्व में 400 मरीजों के निशुल्क टेस्ट किए गए एवं दवाईयां वितरित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित संगत को गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में टिकाना कलानौर से महंत रामसुख दास महाराज, महंत शिवराम दास महाराज, महंत रघुनंदन दास महाराज का आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

हनुमान राम नाम का रसिया है : साध्वी

रोहतक। माता दरवाजा स्थित संकट मोचन मंदिर में आयोजित 5 दिवसीय 25वां वार्षिकोत्सव रविवार को भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन ब्रह्मलीन गुरुमां साध्वी गायत्री की स्मृति में किया गया। उत्सव के अंतिम दिन गद्दीनशीन साध्वी मानेश्वरी देवी ने हनुमान कथा का भावपूर्ण समापन किया। उन्होंने हनुमान को राम नाम का रसिया बताते हुए कहा कि वे कलियुग में भी विद्यमान हैं और सत्संग का अर्थ केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मनोमंथन है। हरिदासी और अन्य गायकों ने राधा राधा शुक्रिया तेरा शुक्रिया जैसे भजनों से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मार्केट कमेटी के चेयरमैन अशोक चौधरी और महंत करण पुरी बाबा ने विधिवत ध्वजारोहण किया। समारोह के दौरान जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए और विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। साध्वी ने विभीषण और नारद मुनी के उदाहरण देते हुए बताया कि प्रभु की कृपा से ही जीवन में परिवर्तन संभव है।

गुरु रविदास ने दिया मानवता का संदेश

रोहतक। डॉ. बी.आर. अंबेडकर सभा एवं समस्त समाज भगवतीपुर के तत्वावधान में संत शिरोमणि गुरु रविदास की 649वीं जयंती के अवसर पर भगवतिपुर गांव में भव्य सत्संग एवं भंडारे का आयोजन श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा के प्रधान प्रमोद भोरिया ने की।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवीन ढुल ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास ने समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का जो संदेश दिया, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास का जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने की प्रेरणा देता है और उनके विचार सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने का कार्य करते हैं। अति विशिष्ट अतिथि डीडीपीओ राजपाल चहल ने कहा कि संत रविदास जी का दर्शन सामाजिक कुरीतियों, ऊंच-नीच और भेदभाव को समाप्त कर समरस समाज की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है।

केंद्रीय बजट पेश सत्ता पक्ष ने सराहा तो विपक्ष ने बिसराया

भाजपा ने बजट को जनहितैषी व विकासोन्मुखी बताया तो विपक्ष व व्यापारियों में दिखी निराशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा रविवार को संसद में पेश किए गए बजट 2026 को लेकर विभिन्न राजनीतिक दलों ने प्रतिक्रियाएं दी। भाजपा ने बजट को जनहितैषी और विकासोन्मुख बताते हुए उसकी सराहना की है। पार्टी नेताओं का कहना है कि बजट में आर्थिक मजबूती, इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। वहीं दूसरी ओर, इस बजट को लेकर व्यापारियों में निराशा देखने को मिल रही है। कुछ व्यापारिक संगठनों का मानना है कि बजट में छोटे और मध्यम व्यापारियों को कोई विशेष राहत नहीं दी गई है। टैक्स में छूट, जीएसटी सरलीकरण और व्यापारिक ऋण से जुड़े मुद्दों पर अपेक्षित घोषणाओं के अभाव से कारोबारी वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। महंगाई, बढ़ती लागत और घटती मांग से पहले ही जूझ रहे व्यापारियों को बजट से काफी उम्मीदें थी।

निर्णायक कदम : ग्रोवर

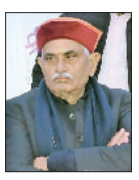

बजट भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। कैंसर रोगियों के लिए 17 दवाएं, 7 दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी। **-मनीष ग्रोवर**, पूर्व सहकारिता मंत्री

व्यापारी नाराज

बजट से देश का व्यापारी वर्गखासा निराश नजर आ रहा है। यह बजट व्यापारियों की वास्तविक समस्याओं और उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया है। **-गुलशन डंग** , राष्ट्रीय जनउद्योग व्यापार संगठन, प्रदेश अध्यक्ष

मील का पत्थर साबित होगा

बजट भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। यह बजट राष्ट्र निर्माण, आत्मनिर्भर भारत और समावेशी विकास की मजबूत नींव रखता है। **-डॉ मदन गोयल**, भाजपा शिक्षा प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक

महिला शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा

बजट का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की शिक्षा को बढ़ावा देना, उनकी सुरक्षा को मजबूत करना और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। **-साक्षी, सहायक प्रोफेसर**

12 साल से अनदेखी

केंद्र सरकार के बजट से उम्मीद तो बहुत थी, लेकिन वह पूरी नहीं हुई। बजट में हरियाणा की पिछले 12 साल से अनदेखी की जा रही है। **-दीपेंद्र हुड्डा**, कांग्रेस सांसद

विकास को रफ्तार मिलेगी

बजट हरियाणा के विकास को नई रफ्तार देगा। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि और रोजगार पर विशेष फोकस किया गया है। यह विकास में योगदान देने वाला है। **-शमशेर सिंह खरक**, भाजपा प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा

बजट व्यापारियों की समस्याओं और उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाया। सरकार को आम दुकानदारों के बारे में सोचना चाहिए। **-अनिल भाटिया**, प्रदेश अध्यक्ष, हरियाणा उद्योग व्यापार

पेंशनर्स को किया निराश

बजट 2026-27 से वेतन भोगियों व पेंशनर्स को बहुत उम्मीद थी। परंतु वित्त मंत्री ने पेंशनर्स और वेतभोगियों को निराश किया है। **कर्मवीर सिंह**, सेवानिवृत्त स्कूल प्रिंसिपल

सट्टेबाजी रुकेगी

फ्यूचर्स और ऑप्शन्स ट्रेडिंग पर सेक्यूरिटीज ट्रेडिंग टैक्स में बढ़ोतरी की गई है। इससे ट्रेडिंग की लागत बढ़ेगी और अत्यधिक सट्टेबाजी पर कुछ हद तक अंकुश लगेगा। -परमजीत दलाल, बिजनेसमैन

टैक्स व्यवस्था को सरल होगी

केंद्र ने बजट 2026 में इनकम टैक्स व्यवस्था को सरल बनाने पर जोर दिया है। आयकर रिटर्न भरने की समय-सीमाओं को भी स्पष्ट और सुविधाजनक बनाया है। **-गौरव बंसल**, सीए, रोहतक

प्रदेश के साथ सौतेला व्यवहार हो रहा

केंद्रीय बजट में हरियाणा के साथ सौतेला व्यवहार किया गया है। यह निराशाजनक बताया। बजट में हरियाणा को खाली हाथ रखा गया, जबकि आम आदमी, किसान, मजदूर और ग्रामीणों को कोई राहत नहीं दी गई। यह बजट आम आदमी की उम्मीदों पर पूरी तरह खरा नहीं उतरा। महंगाई से राहत के नाम पर कुछ नहीं किया गया। **-भूपेंद्र सिंह हुड्डा** , पूर्व सीएम

ओपीएस पर बात नहीं की

लंबे समय से अपनी मांग उठा रहे शिक्षकों, कर्मचारियों के सबसे बड़े मुद्दे ओपीएस पर कोई बात नहीं की गई। टैक्स स्लैब में कोई परिवर्तन नहीं है। **-संजय सिंहमार**, जिला महासचिव, पेंशन बहाली संघर्ष समिति

किसान प्राथमिकता नहीं

बजट किसानों का कोई भला नहीं होने वाला। केंद्रीय बजट ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सरकार की प्राथमिकता किसान नहीं, बल्कि कॉर्पोरेट और विदेशी बाजार हैं। **-सुमित दलाल** किसान नेता

किसानों को कुछ नहीं

बजट में किसानों के नाम पर कुछ भी नहीं है। किसान बदहाली का शिकार होकर आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो रहा है। इससे किसानों को उनकी फसलों के पूरे भाव मिलेंगे। परेशानी झेलनी पड़ेगी। **-प्रवीन दुल**

कारोबारी माहौल मजबूत

सरकार ने स्थिर नीतियों, सरल कर नियमों और बेहतर अनुपालन व्यवस्था पर जोर देकर कारोबारी माहौल को मजबूत करने का संदेश दिया है। **- सतीश प्रजापति**, जिला अध्यक्ष व्यापार मण्डल

विदेश समान मंगाना सस्ता

अब विदेश से सामान मंगवाना पहले से सस्ता हो जाएगा। इसके बजट में कैंसर उपचार से जुड़ी जरूरी और जीवनरक्षक दवाओं पर कस्टम ड्यूटी में भी छूट देने की घोषणा की गई है। -हिमांशु, एडवोकेट

विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा

बजट विकसित भारत के संकल्प को सशक्त करने वाला, अंत्योदय, आत्मनिर्भरता एवं समावेशी विकास को समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश को प्रगति, सुशासन और समृद्धि के नए पथ पर अग्रसर करने वाला बजट। -राजू फौजी चेयरमैन प्रतिनिधि कलानौर नपा

एमएस पी को कोई घोषणा नही

वित्त मंत्री ने बजट भाषण में टैक्स व आम लोगों से जुड़ी कोई बड़ी घोषणा नहीं की। किसान की फसल को एमएस पी को लेकर कोई बड़ी घोषणा नहीं की। खाद्य, बीज दवाईयां ,तेल बिजली ,कृषि यंत्रों आदि पर कोई राहत नहीं दी। **-ओमप्रकाश खत्री**, भारतीय किसान कांग्रेस कोर्डिनेटर

युवाओं का भविष्य उज्ज्वल होगा

बीजेपी के मार्केट कमेटी चेयरमैन उदयभान मलिक व ब्लाक अध्यक्ष कपिल खत्री ने बजट को आम जनता, व्यापारी, किसान, युवाओं के उज्जवल भविष्य बनाने का बजट बताया। वहीं व्यापारी संजय का कहना है कि मार्केट को उम्मीद थी कि जीएसटी में कुछ राहत मिलेगी ,लेकिन कुछ नहीं हुआ।

विकास को गति देगा बजट

भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर ढाका ने बताया कि देश के समग्र विकास की दिशा में संतुलित और दूरदर्शी बजट के रूप में इस बजट में सरकार ने "विकसित भारत" के संकल्प को केंद्र में रखते हुए गरीब, किसान, युवा और नारी शक्ति पर विशेष ध्यान दिया है। बजट का उद्देश्य आर्थिक विकास को गति देना है।

खबर संक्षेप

पीली मंदोरी में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आज

रोहतक। जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी संजीव सैनी ने बताया कि 2 फरवरी सोमवार को पंडित जसराज जी की जयंती पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम फतेहाबाद जिला के गांव पीली मंदोरी में प्रातः 11 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। सैनी ने बताया कि पंडित जसराज का जन्म फतेहाबाद जिला के पीली मंदोरी गांव में हुआ था। वे मेवाती घराने के एक प्रसिद्ध भारतीय शास्त्रीय गायक थे। जिला के सभी गायकों और लोक कलाकारों को इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया हैं।

गोकर्ण तीर्थ में संपन्न हुआ ध्वजारोहण समारोह

रोहतक। गोकर्ण तीर्थ स्थित डेरा बाबा लक्ष्मनपुरी महाराज में रविवार को माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर सदियों पुरानी परंपरा का निर्वहन किया गया। डेरे के इष्ट देव, त्रिमूर्ति (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) के स्वरूप भगवान दत्तात्रेय के निमित्त श्रद्धा और भक्ति के साथ धर्म ध्वजा फहराई गई। महामण्डलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज ने किया ध्वजारोहण। समारोह का नेतृत्व पंच दसनाम जूना अखाड़ा के उप आचार्य एवं गोकर्ण पीठाधीश्वर 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज ने किया।

शहर से लेकर आउटर तक खुलेआम घूम रहे गोवंश, वाहन चालकों और राहगीरों की जान को खतरा

सड़कों पर बेसहारा गोवंश बन रहा हादसों का बड़ा कारण, निगम के दावे भी हुए फेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

शहर और आसपास के इलाकों में सड़कों पर बेसहारा गोवंश की बढ़ती संख्या अब गंभीर समस्या बन चुकी है। आए दिन हो रहे सड़क और रेल हादसे न केवल प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर रहे हैं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा पर भी बड़ा सवाल खड़ा कर रहे हैं। नगर निगम द्वारा समय-समय पर बेसहारा गोवंशको पकड़कर गोशालाओं में छोड़ने के दावे किए जाते रहे हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से बिल्कुल उलट नजर आ रही है।

दिन हो या रात, शहर की प्रमुख सड़कों और आउटर क्षेत्रों में गोवंशके झुंड अचानक वाहनों के सामने आ जाते हैं। खासकर रात के समय दृश्यता कम होने के कारण हादसों का खतरा और भी बढ़ जाता है। आउटर क्षेत्र में रेलवे लाइन के आसपास भी गोवंश का जमावड़ा देखा जा रहा है, जिससे रेल यातायात तक प्रभावित हो रहा है। करीब दस दिन पहले घिलोड़ गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां एक बैल ट्रेन की चपेट में आ गया। इस हादसे में बैल का अगला हिस्सा पूरी तरह कट गया। घटना के बाद दो घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने बैल को रेलवे ट्रैक से हटाया, तब जाकर ट्रेन अपने गंतव्य की ओर रवाना हो सकी। इस घटना ने न केवल रेलवे सुरक्षा बल्कि गौवंश संरक्षण व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए।

करीब दस दिन पहले घिलोड़ गांव में दर्दनाक घटना हो गई थी, जहां एक बैल ट्रेन की चपेट में आ गया

यहां बदतर हालात

शहर के भीतर हालात भी इससे अलग नहीं हैं। सेक्टर चार की पुलिया, सेक्टर तीन, सोनीपत मार्ग, पुरानी आईटीआई मार्ग और तिलियार लेक के सामने सड़कों पर बड़ी संख्या में बेसहारा गोवंश घूमता देखा जा सकता है। इन इलाकों में तेज रफ्तार वाहनों के बीच अचानक गोवंश के आ जाने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार चालक संतुलन खो बैठते हैं, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

नहीं हो रहा समाधान

लोगों का कहना है कि कई बार समस्या को लेकर नगर निगम में शिकायत की गई, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं निकल पाया। निगम की ओर से कभी-कभार गोवंश पकड़ने की कार्रवाई जरूर की जाती है, लेकिन कुछ ही दिनों में वही गोवंश दोबारा सड़कों पर नजर आने लगते हैं। जब तक बेसहारा गोवंश की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा, तब तक सड़कों पर हादसों का खतरा बना रहेगा और आम जनता को खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

गोशाला में जगह नहीं

निगम की अपनी गोशाला पहरावर में जगह की भारी कमी है। इसी कारण पकड़े गए गोवंश को अन्य निजी या आसपास की गोशालाओं में छोड़ा जाता है। जगह और संसाधनों की कमी के चलते यह व्यवस्था भी कारगर साबित नहीं हो पा रही है। नागरिकों की मांग है कि निगम को इस समस्या के लिए ठोस और दीर्घकालीन योजना बनानी चाहिए। गोशालाओं की क्षमता बढ़ाने, नियमित पकड़ अभियान चलाने और पशुपालकों पर सख्ती करने की जरूरत है।

सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉई एसो. ने उठाई हक की आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सर्व हरियाणा ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉई एसोसिएशन द्वारा रविवार को बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबित मांगों को प्रमुखता से उठाया गया।

इस अवसर पर एसोसिएशन ने स्पष्ट किया कि वे अपने जायज हक के लिए संघर्ष जारी रखेंगे। पत्रकारों से बातचीत करते हुए एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने प्रबंधन के समक्ष निम्नलिखित तीन मुख्य मांगें रखीं। जिसमें 100% टैक्स प्रिक्विजिट का 100% बोझ बैंक स्वयं वहन करे। पेट्रोल भत्ते में समानता बैंक कर्मियों को मिलने वाला पेट्रोल अलाउंस उनके प्रायोजक बैंक, पंजाब नेशनल बैंक के समान दिया जाए। फर्नीचर भत्ते में संशोधन फर्नीचर अलाउंस की राशि और शर्तें भी पंजाब नेशनल बैंक की तर्ज पर लागू की जाएं ताकि कर्मचारियों को आधुनिक सुविधाएं मिल सकें। बैठक में बैंक में कार्यरत कैजुअल लेबर का एक प्रतिनिधिमंडल भी यूनियन पदाधिकारियों से मिला। इन श्रमिकों ने लंबे समय से की जा रही अपनी सेवाओं का हवाला देते हुए नियमितीकरण की मांग की।

रोहतक। पत्रकारों से बातचीत करते एसोसिएशन के पदाधिकारी।

एसोसिएशन की मांग है कि बैंक अधिकारियों पर लगने वाले टैक्स प्रिक्विजिट का 100% बोझ बैंक स्वयं वहन करे। पेट्रोल भत्ते में समानता बैंक और 40 प्रतिशत का है। चूंकि कर्मचारियों की नौकरी अति कच्ची है, इसलिए बोल नहीं पा रहे हैं।

महिला सफाई कर्मचारियों ने सांझा किए विचार

नहीं मिलती सुविधा, ताने भी करने पड़ते हैं सहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्थानीय सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था सप्तरंग द्वारा पुस्तक पर चर्चा कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला सफाई कर्मचारियों ने आप बीती पर आधारित पुस्तक 'जहर जो हम ने पीया' पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। स्थानीय स्वामी नितानंद स्कूल में आयोजित इस गोष्ठी में पुस्तक के संपादक एवं सेवासम्पन्न आईएएस अधिकारी अशोक गर्ग, प्रिंसिपल मनोज छाबड़ा, अध्यापक राजकुमार जांगड़ा तथा लेखिका अनीता, सेवा, बिमला और वैष्णवी ने हिस्सा लिया। चर्चा के दौरान सफाईकर्मी लेखिकाओं ने अपने जीवन के संघर्ष सांझा किए। उन्होंने बताया कि जातीय भेदभाव का शिकार होते हुए गरमी-सर्दी-बरसात, हर मौसम में उन्हें बिना कोई सुविधा मिले कार्य करना पड़ता है और तरह-तरह के ताने सहने पड़ते हैं, इसके बावजूद वे अपना काम पूरी मेहनत से करती हैं।

एमडीयू में सीडीएस प्री परीक्षा की कोचिंग शुरू

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय एमडीयू रोहतक के यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर कॉम्पिटिटिव एग्जामिनेशन (यूसीसीई) द्वारा सीडीएस परीक्षा अप्रैल की तैयारी के लिए कोचिंग प्रोग्राम रविवार से प्रारंभ हो गया। यूसीसीई निदेशक प्रो. जे.एस. हुड्डा ने बताया कि इस कोचिंग प्रोग्राम में एडमिशन जारी है। एमडीयू और संबद्ध कॉलेजों के नियमित और पूर्व छात्र एडमिशन ले सकते हैं।

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए करें आवेदन

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2025-26 के दौरान कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा द्वारा कृषि मशीनीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आर.के.वी.वाई. योजना के समेकित मद के तहत विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इच्छुक किसान इस योजना का लाभ उठाने के लिए आगामी 16 फरवरी तक विभाग की वेबसाइट **www.agriharyana.gov.in** पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सचिन गुप्ता ने बताया कि वे किसान ही इस योजना के लिए पात्र होंगे, जो मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल पर रबी 2024 एवं खरीफ 2025 सीजन में पंजीकृत हैं। एक परिवार पहचान पत्र के अंतर्गत केवल एक किसान को एक कृषि यंत्र पर ही अनुदान का लाभ दिया जाएगा। अनुसूचित जाति, लघु एवं सीमांत तथा महिला किसानों को 50 प्रतिशत तक, जबकि अन्य किसानों को 40 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा।

आवास योजना में प्लॉट बुकिंग प्रारंभ : उपायुक्त

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत योग्य पात्र लाभार्थियों के लिए प्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। योजना के तहत जिला में लगभग 231 पात्र लाभार्थियों की पहचान की गई है। नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग से लाइसेंस प्राप्त कॉलोनियों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षित प्लॉटों के आवंटन की नीति गत 23 अक्टूबर के अंतर्गत यह प्रक्रिया संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्लॉट बुकिंग की प्रक्रिया आगामी तीन से चार दिनों तक जारी रहेगी। योजना के तहत पात्र आवेदकों की सूची एवं उपलब्ध प्लॉटों का विवरण हाउसिंग फॉर ऑल विभाग की आधिकारिक वेबसाइट **https://hfa.haryana.gov.in** पर उपलब्ध है।उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि पात्र लाभार्थी उपरोक्त वेबसाइट पर जाकर मात्र 10 हजार की राशि जमा कर अपना प्लॉट बुक कर सकते हैं।

छात्रों ने नशे के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में नशे के विरुद्ध समाज में जागरूकता अभियान के तहत कॉलेज परिसर में विद्यार्थियों द्वारा रैली निकाली गई। इस दौरान पोस्टर मेकिंग और स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कॉलेज के अनेक विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया। जागरूकता रैली के माध्यम से उन्होंने नशे के विरुद्ध समाज को सचेत किया। इस आयोजन में प्राध्यापिका निधि और अंजू रानी ने मुख्य भूमिका निभाई। आयोजन के अंत में मुख्य अतिथि प्रिंसिपल डॉ. सत्यवर्त सोलंकी ने तमाम आयोजनकर्ता और प्रतिभागियों को सफल आयोजन पर शुभकामनाएं दी।

केंद्र की स्कीम होने की वजह से कर्मियों को नहीं मिल रही नौकरी की गारंटी

350 कर्मियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल नहीं किया

सरकारी विभागों के ठेका कर्मचारियों को कौशल रोजगार निगम में शामिल किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

विभिन्न विभागों में कार्यरत ठेके के कर्मचारियों को सरकार हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल करके उनकी नौकरी की गारंटी सुनिश्चित करेगी। इसके लिए प्रक्रिया जारी है। लेकिन मनरेगा में 10-15 साल से कम्प्यूटर ऑप्रेटर, लेखा सहायक, एबीपीओ समेत दूसरे पदों पर कार्य कर रहे कर्मचारियों को कौशल रोजगार निगम का कर्मचारी नहीं बनाया जा रहा है। सरकार के साथ दिक्कत ये है कि मनरेगा केंद्र सरकार की स्कीम है। लेकिन मनरेगा में पैसों कुछ हिस्सा राज्य सरकार का भी होता हे। ये शेयर 60 और 40 प्रतिशत का है। चूंकि कर्मचारियों की नौकरी अति कच्ची है, इसलिए बोल नहीं पा रहे हैं।

राज्य प्रायोजित योजनाओं को जोड़ा

हरियाणा में मनरेगा के तहत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए कई केंद्र और राज्य प्रायोजित योजनाओं को जोड़ा गया है। इसमें पीएम आवास योजना-ग्रामीण , पीएम ग्राम सड़क योजना , स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण, दीन दयाल अंत्योदय योजना , श्यामा प्रसाद मुखर्जी रर्बन मिशन और विभिन्न जल प्रबंधन व वृक्षारोपण कार्यक्रम प्रमुख रूप से शामिल हैं। कर्मचारी मेहनत और लग्न से ड्यूटी कर रहे हैं। लेकिन भविष्य की चिंता है। क्योंकि नौकरी की गारंटी नहीं है। अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में कार्यरत गांव समरगोपालपुर के रविंद्र कुमार बताते हैं कि कम्प्यूटर ऑप्रेटर को नौकरी 15 साल की होने के बाद 26500, लेखाकार को 27500 और एबीपीओ को 45 हजार रुपये मनरेगा हेड से दिए जाते हैं।

नहीं सुनी मांग

रविंद्र कुमार ने कहा कि पे स्केल समेत दूसरी मांगों को लेकर हम अपने हैड ऑफिस को अनुरोध पत्र भेज रहे हैं। लेकिन आज तक मुख्यालय ने हमारी मांगों को अनुसुना ही किया है। दूसरे विभागों के कर्मचारियों के अनुपात में पद के हिसाब से हमें कम वेतन मिलता है और नौकरी भी पक्की नहीं है।

नशा मुक्ति टीम ने विधार्थियों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

रोहतक। जिला पुलिस की नशा मुक्ति टीम द्वारा निरंतर आमजन को नशे के खिलाफ जागरुक किया जा रहा है। टीम ने एचडी बहुअकबरपुर स्कूल में विधार्थियो को नशे के खिलाफ जागरुक किया गया है। एसआई अमर कटारिया व एएसआई मोहन के नेतृत्व में नशा मुक्ति टीम ने छात्र, छात्राओं को नशे से होने वाली हानि के बारे में जानकारी दी। एएसआई मोहन ने कहा कि समाज मे हर युवा को नशे के दुष्प्रभावो के प्रति जागरुक करना और इस बुराई के खिलाफ एकजुटता की भावना को प्रबल करना है। नशा व्यक्ति को अंदर से खोखला बना देता है। नशा व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक व आर्थिक रुप से कमजोर करता है और अपराधो को जन्म देता है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहां कि अगर आपके आस-पास कहीं पर भी कोई नशा बेचता है तो आप उसकी सूचना डायल 112 पर दें। सूचना देने वाले का नाम पता गुप्त रखा जाएगा। इसके अलावा हर प्रकार के नशे की रोकथाम से संबंधित सूचना के लिए निःशुल्क हेल्पलाइन नम्बर भी 9050891508 जारी किया गया है।